चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24.8.22	4	1-2

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थान : कुलपति

हिसार, 23 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया।

इस रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था। उपरोक्त कोर्स की निदेशक डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

प्रतिभागी को प्रमाण–पत्र वितरित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24.8.22		

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थान : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

हिसार, 23 अगस्त (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफ्रैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान-को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से रिफ्रैशर कोर्स में अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व किसानों के उत्थान के लिए प्रयोग करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था। उपरोक्त कोर्स की निदेशक डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.8.22	2	3-4

डेटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थान : वीसी

रिफ्रेशर कोर्स में एचएयू, लुवास, पीएयू और कृषि विवि ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डेटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हुआ। एचएयू के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रेशर कोर्स में हरियाणा कृषि विवि सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि

विश्वविद्यालय, तेलंगाना के प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर विवि के वाइस चांसलर प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि थे। प्रमाण-पत्र दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने विचार रखे। डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद किया। कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	23.8.2022	--	--

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थान : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रेशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफ्रेशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से रिफ्रेशर कोर्स में अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व किसानों के उत्थान के लिए प्रयोग करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था। उपरोक्त कोर्स की निदेशक डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	24.8.2022	--	--

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थानः प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित

किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया । इस रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से रिफैशर कोर्स में अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व किसानों के उत्थान के लिए प्रयोग करने का भी आह्वान किया। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	23.8.2022	--	--

डाटा विश्लेषण का शोध में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया ।

इस रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफ्रैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से रिफ्रैशर कोर्स में अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व किसानों के उत्थान के लिए प्रयोग करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था।

उपरोक्त कोर्स की निदेशक डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	23.8.2022	--	--

कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में सांख्यिकी महत्वपूर्ण : कुलपति

हिसार/ 23 अगस्त/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किए गए तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इससे पूर्व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कोर्स के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिकों के सांख्यिकी ज्ञान को बढ़ावा देना था। उपरोक्त कोर्स की निदेशक डॉ. मंजु टांक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	23.8.2022	--	--

सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण का वैज्ञानिक शोध में महत्वपूर्ण स्थान : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सांख्यिकी एवं डाटा विश्लेषण' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स सम्पन्न हुआ। तीन सप्ताह अवधि के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सहित लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना व राज्य कृषि विश्वविद्यालय, तेलंगाना से 30 प्राध्यापकों ने भाग लिया।

समापन अवसर पर मुख्यातिथि

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने प्रतिभागियों को कहा कि सांख्यिकी का कृषि वैज्ञानिकों के लिए शोध परिणामों की उचित विवेचना में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस रिफ्रैशर कोर्स दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने रोजमर्रा के कार्य में प्रयोग करने व इसके निरंतर अभ्यास द्वारा अपने प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से रिफ्रैशर कोर्स में अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों व किसानों के उत्थान के लिए प्रयोग करने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर कोर्स के संयोजक डॉ. मनोज गोयल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	22.8.2022	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र का अवार्ड

ज्वार की नई किस्मों का किसानों और पशुपालकों को होगा लाभ : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग को ज्वार फसल पर उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 का सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अंतर्गत भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (ज्वार) की 52वीं वार्षिक समूह बैठक में उपरोक्त परिषद् के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने यह अवार्ड प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में ज्वार की उन्नत किस्मों के विकास, ज्वार में फास्फोरस व पोटाश जैसे पोषक तत्वों के प्रबंधन के साथ चारे वाली ज्वार के बीज उत्पादन में बहुत सराहनीय कार्य किए हैं जिनके दृष्टिगत ये अवार्ड दिया गया है। इस अनुभाग ने अब तक ज्वार की 13 उन्नत किस्में विकसित की हैं। इनमें से सीएसवी-53 एफ किस्म, एचजेएच-1513 व एचजे-1514 हाल ही में विकसित की गई हैं जिनके लिए चारा अनुभाग को यह अवार्ड प्रदान किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि ये किस्में किसानों व पशुपालकों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगी।

ज्वार की नई किस्मों की यह हैं विशेषताएं : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने ज्वार की नई किस्मों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इन तीनों किस्मों में प्रोटीन की मात्रा व पाचनशीलता अधिक होने के कारण ये पशुओं के लिए बहुत उत्तम हैं। उन्होंने बताया ज्वार की सीएसवी 53 एफ एक कटाई वाली किस्म है जिसको गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के लिए चिन्हित किया गया है। इस किस्म की हरे चारे की औसत पैदावार 483 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। यह शूट फ्लाई, स्टेम बोरर जैसे कीड़ों के प्रति रोधी है व ग्रे लीफ स्पॉट व शूटी स्ट्रिप बीमारी के प्रति प्रतिरोधी है।

चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित किया गया है। इन वैज्ञानिकों में डॉ. पम्मी कुमारी, एस.के. पाहुजा, डी.एस. फोगाट, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा एवं मनजीत सिंह की टीम ने विकसित किया है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया ज्वार की एचजेएच 1513 व एचजे 1514 किस्में हरियाणा राज्य में बिजाई के लिए चिन्हित की गई हैं। इनमें से एचजेएच 1513 एक कटाई वाली हाइब्रिड किस्म है और इसकी हरे चारे की औसत पैदावार 717 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह मीठी व जूसी किस्म है जिसमें 8.6 प्रतिशत प्रोटीन व 53 प्रतिशत पाचनशीलता है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फ्लाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने का श्रेय डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, मनजीत सिंह व सरिता देवी को जाता है। इसी प्रकार एचजे 1514 एक कटाई वाली किस्म है जिसकी हरे चारे की पैदावार 664 व सूखे चारे की पैदावार 161 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। यह अधिक प्रोटीन वाली किस्म है। यह पत्ती रोगों के प्रति प्रतिरोधी व शूट फलाई व स्टेम बोरर कीड़ों के प्रति सहनशील है। इस किस्म को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों में डॉ. पी. कुमारी, डी.एस. फोगाट, एस. आर्य, एस.के. पाहुजा, सतपाल, एन. खरोड़, बी.एल. शर्मा, डी.पी. सिंह, विनोद कुमार व सरिता देवी शामिल हैं।